

प्रेषक,

अमिताभ श्रीवास्तव,  
अपर सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल,  
देहरादून।

युवा कल्याण अनुभाग :

देहरादून : दिनांक

17 अप्रैल, 2005

विषय:- वित्तीय वर्ष 2005-06 में अबचनबद्ध मदों में प्राविधानित धनराशि के आवंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त विभाग के पत्र संख्या-627A/XXVII(I)/2005, दिनांक 26 अप्रैल, 2005 एवं युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल निदेशालय के पत्र संख्या-67/दो-1094/2005-06, दिनांक 27 अप्रैल, 2005 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि युवा कल्याण विभाग, उत्तरांचल के वित्तीय वर्ष 2005-06 के (माह अप्रैल को सम्मिलित करते हुए) आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधानित धनराशि में रु० 17.80 लाख (रुपये सतरह लाख अस्सी हजार मात्र) निम्न विवरणानुसार व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

(धनराशि हजार रुपये में)

क्र०सं०	मानक मद	आयोजनेत्तर
1	04-यात्रा व्यय	600
2	05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	100
3	07-मानदेय	50
4	12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण का क्रय	200
5	18-प्रकाशन	50
6	19-विज्ञापन दिक्की एवं विज्ञापन व्यय	30
7	27-चिकित्सा व्यय प्रातिपूति	150
8	29-अनुरक्षण	150
9	45-अवकाश यात्रा व्यय	150
10	46-कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय	300
	योग	1780

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आबंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकारी नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये।

3- धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिये स्वीकृत की जा रही है। व्यय में निव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे।

4- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2005-06 के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2204 खेलकूद तथा युवा सेवाएँ-00-001-निदेशन तथा प्रशासन-04-प्रादेशिक विकास दल एवं युवा कल्याण-00 के आयोजनेत्तर पक्ष के उपरोक्त मानक मदों के नामों डाला जायेगा।

5- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा0सं0-152/वित्त अनुभाग-2/2005, दिनांक 11 मई, 2005 के उनके सहमति से जारी की जा रही है।

भवदीय,

(अमिताभ श्रीवास्तव)  
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या- VI-I/2005, तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 3- अपर सचिव, वित्त, उत्तरांचल शासन।
- 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 5- वित्त अनुभाग-2, उत्तरांचल शासन।
- 6- एन0आई0सी0, देहरादून।
- 7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(अमिताभ श्रीवास्तव)  
अपर सचिव।